

कार्यालय आयुक्त कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
पत्रांक /जियो०-पेयजल निगम/ 2011-12 दिनांक जुलाई ०५, २०११

कार्यालय ज्ञाप

मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 624/रायो०आ०/जियो०/2008 दिनांक 24.03.2008 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिलाधिकारी, अल्मोड़ा के पत्र संख्या 1010/जियो०/वियो०स्वी०/2011-12 दिनांक 17.06.2011 को प्रेषित संस्तुति तथा अधिशासी अभियंता, निर्माण शाखा, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, भिकियासैण अल्मोड़ा द्वारा दिनांक 28.06.2011 को प्रेषित विवरण के आधार पर जिला योजनान्तर्गत निम्न पेयजल योजना की प्रशासनिक/वित्तीय स्वीकृति उल्लिखित निम्नांकित प्रतिबन्धों के साथ प्रदान की जाती है।

क्र० सं०	योजना का नाम	योजना की लागत	गत वर्ष तक मुख्यालय से जारी की गयी प्रशासनिक/वित्तीय स्वीकृति	वर्ष 2011-12 हेतु जारी प्रशासनिक/वित्तीय स्वीकृति
1.	उदयपुर पेयजल योजना	₹ 58.50 लाख	₹ 47.25 लाख	₹ 5.55 लाख (₹ पांच लाख पच्चन हजार मात्र)

- जिलाधिकारी अल्मोड़ा सुनिश्चित करेंगे कि योजना में उपरोक्त प्रशासनिक स्वीकृति की धनराशि से अधिक धनराशि किसी भी दशा में बिना सक्षम स्तर से स्वीकृति किये बिना आवंटित नहीं की जायेगी।
- कार्य कराने से पूर्व समर्त औपचारिकतायें, तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल और फाईनेंशियल हैण्डबुक नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों/पुनरक्षित आगणनों पर सक्षर स्तर से कार्यों की तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- स्वीकृत धनराशि ऐसी योजनाओं पर कदापि व्यय न की जाय, जिसके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति प्राप्त नहीं है अथवा जो विवादग्रस्त है।
- कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाय कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेन्सी का होगा।
- धनराशि केवल उन्हीं मदों में व्यय की जायेगी जिसके लिए शासन द्वारा धनावंटन किया गया है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।

bf

7. उक्त स्वीकृत धनराशि शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/नियमों के अनुसार ही व्यय किया जाये तथा जहाँ आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जाय। धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायें।
8. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
9. योजना निर्माण के संबंध में शासन से समय-समय पर जारी सभी शर्तों एवं नियमों का परिपालन किया जाना अनिवार्य होगा। अवमुक्त धनराशि को शासन द्वारा निरूपित मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

४०/-

(कुणाल शर्मा)
आयुक्त।

कार्यालय आयुक्त कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।

संख्या ७५३ / जि�०यो०-पेयजल निगम/2011-12 तददिनांकित।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. प्रमुख सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
3. सचिव, पेयजल, उत्तराखण्ड शासन देहरादून।
4. निदेशक, अर्थ एवं संख्या, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
6. जिलाधिकारी, अल्मोड़ा।
7. मुख्य विकास अधिकारी, अल्मोड़ा।
8. मुख्य अभियन्ता (कुमाऊँ), उत्तराखण्ड पेयजल निगम, नैनीताल।
9. अधीक्षण अभियन्ता, निर्माण मण्डल, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, अल्मोड़ा।
10. अधिशासी अभियन्ता, निर्माण शाखा, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, अल्मोड़ा।
11. अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, भिकियासैण अल्मोड़ा।
12. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-4 उत्तराखण्ड शासन।
13. राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
14. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संशाधन सचिवालय देहरादून।
15. अर्थ एवं संख्याधिकारी, अल्मोड़ा।
16. बरिष्ठ कोषाधिकारी, अल्मोड़ा।
17. गार्ड फाईल।

कुमाऊँ

अयुक्त,
कुमाऊँ मण्डल।

AK